ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान

जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 17-05-2022

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-05-17 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-05-18	2022-05-19	2022-05-20	2022-05-21	2022-05-22
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	40.0	41.0	44.0	45.0	44.0
न्यूनतम तापमान(से.)	30.0	30.0	29.0	30.0	29.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	38	41	42	52	68
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	11	11	10	10	12
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	16.0	18.0	26.0	34.0	43.0
पवन दिशा (डिग्री)	213	224	231	227	218
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने तथा धूलभरी हवायें चलने की संभावना हैं। आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 40.0 से 45.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 29.0 से 30.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

अगर मानसून के सीजन में फलों के नये पौधें लगाने है तो गड्ढो की खुदाई कर उन्हे खुला छोडें ताकि हानी कारक कीट व खरपतवार के बीज नष्ट हो जाएं।

लघु संदेश सलाहकार:

उच्च तापमान और लू की स्थिति को देखते हुए किसान भाई सब्जियों व बागानों में अतिरिक्त सिंचाई अवश्य दे।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
कपास	किसान भाई कपास की बुवाई करें। फसल में जड़ गलन रोग के नियंत्रण के लिए ट्राइकोड्रमा हारजेनियम 10 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
मिर्च	मिर्च में पर्णकुंचन या मोजेक रोग के प्रकोप से पौधों के पत्ते सिकुड़ कर मुड जाते है तथा छोटे रह जाते है। नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रीड 3 मिलीलीटर प्रति 10 लीटर पानी या डाईमिथोएट 30 ई.सी. का एक मिली लीटर का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	गर्मी के कारण पशु के दूध उत्पादन मे कमी आती है अतः पशुओं को उचित मात्रा मे लवण खिलाएं ।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	जिन किसानों के पास सिंचाई की सुविधा है एंव आगामी रबी की फसल में जीरा लगाना चाहते है तो उस खेत में सरसों की फलकटी 2.5 टन व 0.5 टन सरसों की खली प्रति हेक्टर का भुरकाव करके तवीये निकाल कर एक सिंचाई तेज गर्मी के समय दें ताकि फलकटी व खल के सड़ने से जो गैस निकले उससे उखटा रोग की फंफूद अभी ही खत्म हो जाएं।
सामान्य सलाह	किसान भाई इस मौसम मे बेल वाली फसलों मे न्युनतम नमी बनाए रखें अन्यथा मृदा मे कम नमी होने से परागण पर असर हो सकता है जिससे फसल उत्पादन में कमी आ सकती है।